पातंजल दर्शन में समाधि एक विवेचन

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्व विद्यालय
मेदनीनगर, पलामूँ

के

स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग
एन. पी. यू. (जी. एल. ए. कॉलेज)
सत्र - 2018-2020

में

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध

शोध निदेशिका
डॉ0 सरिता कुमारी
अध्यक्ष
दर्शन शास्त्र विभाग, एन. पी. यू.
मेदनीनगर (पलामूँ) झारखंड

प्रस्तुत कर्त्ता
रितेश कुमार
रौल न0 18 M.A–1000975
पंजीयन संख्या–N.P.U/06535/15

Sarita Kumari

HEAD
Department of Philosophy
N.P. University, Medininagar

पातंजल दर्शन में समाधि

एक विवेचन

रितेश कुमार (M.A. PHILOSOPHY)
नीलाम्बर पीताम्बर विश्व विद्यालय
मेदनीनगर, (पलामूँ)

दो शब्द

"पातंजल दर्शन में समाधि एक विवेचन" :– आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है। दर्शन शास्त्र के अध्ययन में पातंजल दर्शन का महत्त्व सर्वविदित है। इसमें योगसूत्र परिचय, योगसूत्र में योग, चित् , चित् वृत्तियाँ , चित् निरोध, पाँच क्लेश, चित् की अवस्था, योग साधना, अष्टांग योग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि, समाधि के प्रकार आदि) का सम्यक विवेचन प्रस्तुत किया हूँ।

अंत में पूजनीया मैडम डॉ0 सरिता कुमारी पूज्य सर डॉ0 शिवपूजन सिंह का स्नेह और उत्साह मेरा संबल रहा है। पुस्तक के अधिकांश अध्यायों का प्रणयन उनके मार्ग दर्शन में ही हुआ है। उनके प्रति कृतज्ञता–ज्ञापन शब्दों में नहीं, अपितु वाणी की मूकता में ही सम्भव है। उनकी प्रेरणाओं के बल पर ही मैं इस कार्य को पूरा कर सका हूँ। मैं उनके प्रति आभारी हूँ।

एन. पी. यू.
मेदनीनगर, पलामूँ
20, अक्टूबर 2020

रितेश कुमार
9006150817

विषय –सूची

पहला अध्यायः– भूमिका	01–04
दूसरा अध्यायः–	05–54
(क) योग सूत्र संक्षिप्त परिचय	06–09
(ख) योग सूत्र में योग	10–21
(ग) चित्त	22–50
(घ) योग साधना	51–54
तीसरा अध्याय :–	55–66
(क) प्रत्याहार	57–58
(ख) धारणा	58–59
(ग) धारणा का काल	59–60
(घ) ध्यान	61–62
(ड0) ध्यान का भेद	63–64
(च) ध्यान का काल	64–65
(छ) ध्यान और धारणा में अन्तर	65–66
चौथा अध्यायः–	67–76
(क) समाधि	68–70
(ख) ध्यान और समाधि में अंतर	71–72
(ग) समाधि के प्रकार	72–75
(घ) सम्प्रज्ञात समाधि	76–77
समाधि (Concentration):– निष्कर्ष	77–79
संदर्भ ग्रंथों की सूची	–80–